चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
Times of India	15-9-22	3	4

Seeds worth ₹1.5 crore bought at HAU fair

TIMES NEWS NETWORK

Hisar: The Rabi 'Krishi Mela' organised at Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University (HAU) concluded on Wednesday.

The farmers bought certified seeds of improved and recommended varieties of Rabi crops and vegetables, besides nurseries of fruit plants worth about Rs 1.5 crore, and agricultural literature worth Rs 68,000. University's director research Jeet Ram Sharma was chief guest the fair's closing ceremony. Apart from Haryana, about 1.31 lakh farmers from Punjab, Rajasthan, and Uttar Pradesh had also attended the two-day event.

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	15.9.22	3	3-6

किसानों ने 68 हजार का कृषि साहित्य भी खरीदा

एचएयू में चल रहे किसान मेले का समापन, फसल अवशेषों को जलाने की अपेक्षा मशीनीकृत प्रबंधन करें

भास्कर न्यूज | हिसार

एचएयू में चल रहे किसान मेले का बुधवार को समापन हो गया। दूसरे दिन भी मेले में किसानों की भीड़ उमड़ी रही। मेला स्थल पर सरकारी बीज एजेंसियों के सहयोग से बीज बिक्री की पर्याप्त व्यवस्था की थी।

बीज के अलावा किसानों ने 68 हजार रूपए का कृषि साहित्य भी खरीदा। मेले के समापन पर विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा मुख्य अतिथि थे। उन्होंने कहा कि इससे उन्हें खेती संबंधी नवीन ज्ञान प्राप्त होगा। उन्होंने किसानों से कृषि में सिंचाई जल के प्रबंधन और पराली व फसल अवशेषों को जलाने की अपेक्षा उनका यथास्थान मशीनीकृत प्रबंधन करने की अपील की।

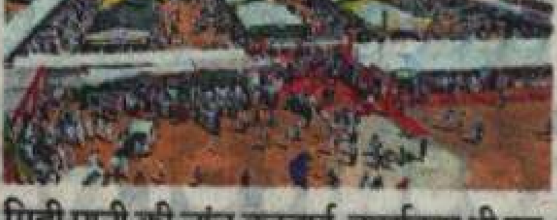

मिट्टी पानी की जांच करवाई, कार्यक्रम भी हुए

डॉ. जीत राम शर्मा ने बताया कि मेले में किसानों को विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्म का भ्रमण करवाकर उन्हें वैज्ञानिक विधि से उगाई फसलों के प्रदर्शन प्लॉट दिखाए गए तथा उन्हें जैविक खेती, खेती में जल व प्राकृतिक संसाधन संरक्षण, कृषि उत्पादन व गुणवत्ता बढ़ाने संबंधी जानकारियां दी गई। किसानों ने विश्वविद्यालय की ओर से मिट्टी व पानी जांच के लिए की गई व्यवस्था का लाभ उठाया। किसानों ने प्रश्नोत्तरी सभाओं में भाग लेकर वैज्ञानिकों से कृषि व पशुपालन संबंधी अपनी समस्याओं एवं शंकाओं को दूर किया। हरियाणवी सांस्कृतिक कार्यक्रम में मनोरंजन किया।

लगाई थी 270 स्टॉल, हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के जैनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग विभाग रहा प्रथम

सह निदेशक विस्तार एवं मेला अधिकारी डॉ. कृष्ण कुमार यादव ने बताया कि मेले में किसानों के आकर्षण का विशेष केन्द्र कृषि-औद्योगिक प्रदर्शनी में लगाए करीब 270 स्टॉल थे। इन स्टॉलों में सीड ग्रुप में शक्तिवर्धक हाईब्रिड, गुडविल हाइब्रिड व समय सीड्स तथा सुपर सीड्स ने क्रमश : प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय पुरस्कार, इन्सैक्टिसाइडस/पैस्टीसाइडस व फार्मा में सिनजेंटा, क्रिस्टल/यूपीएल तथा जय हिन्द सेट फार्मा, फर्टिलाइजर ग्रुप में इफ्को, कृभको तथा धारा और मशीनरी/ट्रैक्टर ग्रुप में सुकून, ओम एग्रिइम्प्लिमेंटस तथा बरवाला एग्रो सेंटर ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय पुरस्कार प्राप्त किए। इसी प्रकार सरकारी संस्थानों में से हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के जैनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग विभाग, लुवास तथा एमएचयू करनाल को क्रमशः प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। प्रगतिशील किसान ग्रुप में कम्बोज बी फार्म, फैमिली किसान नेचुरल फार्मिंग तथा ग्रीन इण्डिया बायोटेक एवं मिले-जुले ग्रुप में इएलपी-एचएयू, मिकाडा तथा फॉलकन गार्डन टूल्स/एम.डी. बायो को क्रमशः प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय पुरस्कार प्रदान किए गए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि·भूमि	15.9.22	9	2-6

हकृवि में कृषि मेले का समापन, 1 लाख 31 हजार किसान हुए शामिल

किसानों ने एक करोड़ पचास लाख रुपये में खरीदें रबी फसलों के बीज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय रबी कृषि मेला बुधवार को समापन हुआ। मेले के दूसरे दिन भी किसानों की भारी गहमा-गहमी रही। मेले में दोनों दिन हरियाणा के अलावा पंजाब, राजस्थान तथा उत्तर प्रदेश राज्यों से करीब 1 लाख 31 हजार किसान शामिल हुए। किसानों ने करीब 1 करोड़ 50 लाख रूपए के रबी फसलों व सब्जियों की उन्नत व सिफारिशशुदा किस्मों के प्रमाणित बीज तथा फलदार पौधों की नर्सरी खरीदी। विश्वविद्यालय के इतिहास में यह पहली बार है कि इतनी भारी संख्या में किसानों ने कृषि मेला में भाग लिया है।

हिसार। कृषि मेला में उपस्थित किसान। फोटो : हरिभूमि

वैज्ञानिकों ने किसानों की शंका को किया दूर

मेले में किसानों को विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्म का भ्रमण करवाकर उन्हें वैज्ञानिक विधि से उगाई गई फसलों के प्रदर्शन प्लॉट दिखाए गए तथा उन्हें जैविक खेती, खेती में जल व प्राकृतिक संसाधन संरक्षण, कृषि उत्पादन व गुणवत्ता बढ़ाने संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां दी गई। इस अवसर पर किसानों ने विश्वविद्यालय की ओर से मिट्टी व पानी जांच के लिए की गई व्यवस्था का भी लाभ उठाया। इसके अतिरिक्त किसानों ने प्रश्नोत्तरी सभाओं में भाग लेकर वैज्ञानिकों से कृषि व पशुपालन संबंधी अपनी समस्याओं एवं शंकाओं को दूर किया तथा उनके लिए आयोजित हरयाणवी सांस्कृतिक कार्यक्रम में मनोरंजन किया।

मेलों में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील

मेले के समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा मुख्य अतिथि थे। उन्होंने किसानों को इस प्रकार के आयोजनों में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि इससे उन्हें खेती संबंधी नवीन ज्ञान प्राप्त होगा तथा कृषि संबंधी अपनी समस्याओं का कृषि वैज्ञानिकों से हल प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। उन्होंने किसानों से कृषि में सिंचाई जल के प्रबंधन और पराली व फसल अवशेषों को जलाने की अपेक्षा उनका यथास्थान मशीनीकृत प्रबंधन करने की अपील की। उल्लेखनीय है कि किसानों को आगामी रबी मौसम की फसलों व सब्जियों के बीज तथा फलों की नर्सरी उपलब्ध करवाने के लिए विश्वविद्यालय ने मेला स्थल पर सरकारी बीज एजेंसियों के सहयोग से बीज बिक्री की पर्याप्त व्यवस्था की थी। बीज के अलावा किसानों ने 68 हजार रुपये का कृषि साहित्य भी खरीदा।

कृषि-औद्योगिक प्रदर्शनी में लगाई गई थी 270 स्टॉल

सह निदेशक विस्तार एवं मेला अधिकारी डॉ. कृष्ण कुमार यादव ने बताया कि मेले में किसानों के आकर्षण का विशेष केन्द्र रही कृषि-औद्योगिक प्रदर्शनी में करीब 270 स्टॉल लगाए गए थे। इन स्टॉलों पर विश्वविद्यालय तथा गैरसरकारी एजेंसियों व मल्टीनेशनल कंपनियों द्वारा कृषि प्रौद्योगिकी, मशीनें, यन्त्र आदि प्रदर्शित किए गए थे, जिन पर किसानों की भारी भीड़ रही। इन स्टॉलों में सीड ग्रुप में शक्तिवर्धक हाईब्रिड, गुडविल हाइब्रिड व समय सीड्स तथा सुपर सीड्स ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय पुरस्कार, इन्सैक्टिसाइड्स/पैस्टीसाइड्स व फार्मा में सिन्जेंटा, क्रिस्टल/यूपीएल तथा जय हिन्द वेट फार्मा, फर्टिलाइजर ग्रुप में इफको, कृभको तथा यारा और मशीनरी/ट्रैक्टर ग्रुप में सुकून, ओम एग्रीइम्पलिमेंट्स तथा बरवाला एग्रो सैंटर ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय पुरस्कार प्राप्त किए। इसी प्रकार सरकारी संस्थानों में से हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के जैनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग विभाग, लुवास तथा एनडीआरआई करनाल को क्रमशः प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। प्रगतिशील किसान ग्रुप में कम्बोज बी फार्म, फैमिली किसान नेचुरल फार्मिंग तथा वीन इण्डिया बायोटैक एवं मिले-जुले ग्रुप में इसएपी-एचएयू, मिकाडा तथा फॉलकन गार्डन टूल्ज/एमडी बायो को क्रमशः प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय पुरस्कार प्रदान किए गए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	15-9-22	1	1-3

कृषि मेले में छात्राओं ने सीखा जल बचाना

एचएयू में आयोजित दो दिवसीय कृषि मेले का बुधवार को समापन हुआ। इस बार मेले की थीम जल संरक्षण रही। एचएयू प्रशासन का दावा है कि दो दिन में मेले में एक लाख 31 हजार लोगों ने भ्रमण किया। इस दौरान हनुमानगढ़ से आई छात्राओं ने पंप सेट का मॉडल देख जल संरक्षण के प्रबंधों को जाना। संबंधित खबर पेज-02 पर पढ़ें

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	15-9-22	5	3-8

एचएयू हिसार में राष्ट्रीय किसान मेला • पहली बार हरियाणा, पंजाब, राजस्थान व यूपी से 1.31 लाख किसान हुए शामिल

मेले में गेहूं और सरसों की उन्नत किस्मों की रही मांग; 22 हजार किसानों ने खरीदे बीज, 2 दिन में 1.5 करोड़ रुपए की हुई बिक्री

महबूब अली | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित 2 दिवसीय रबी कृषि मेला बुधवार को संपन्न हुआ। मेले में पहली बार दोनों दिन हरियाणा के अलावा पंजाब, राजस्थान तथा उत्तर प्रदेश राज्यों से 1 लाख 31 हजार किसान शामिल हुए। किसानों ने 1.5 करोड़ रुपए के रबी फसलों के प्रमाणित बीज, पौध व यंत्र खरीदे। इसमें 22 हजार किसानों ने गेहूं व सरसों की उन्नत किस्मों के बीज खरीदे। एचएयू कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि ऑनलाइन माध्यम से भी किसानों ने मेले का लुत्फ उठाया। ऑनलाइन बिक्री के लिए आवेदन किए। मेले में किसानों ने रिकार्ड खरीददारी और विजिट की है। 250 से अधिक स्टॉल किसानों के लिए लगाई गई थी। किसानों के सहयोग से मेला पूरी तरह से सफल रहा।

अब हरियाणा में भी की जा सकेगी केले की पैदावार, महाराष्ट्र के केले की जी-9 किस्म का ट्रायल सफल

हिसार| एचएयू में किसान मेले में विभिन्न राज्यों से उमड़ी किसानों की भीड़।

पहली बार विवि ने गेहूं की डब्ल्यूएच 1270 किस्म के बीज बेचे

एचएयू के मेले में सरसों की आरएच 725 और 749 की सबसे अधिक मांग रही। गेहूं की डब्ल्यूएच 1270 की भी अधिक डिमांड रही। पहली बार विवि द्वारा नई किस्म के बीज को बेचा गया। इस किस्म के गेहूं की पैदावार 70 मन प्रति एकड है। सरसों का बीज 80 रुपए किलो मिला है, जबकि प्राइवेट स्टॉल इसे 900 रुपए किलो तक बेच रही है। इसके अलावा मटर का बीज एचएफपी 1428 भी पहली बार किसानों को उपलब्ध कराया गया। इस दौरान एचएयू द्वारा तैयार मुलैहठी की किस्म की प्रदर्शनी भी लगाई गई। वैज्ञानिकों ने बताया कि यह औषधीय पौधा है। इसकी जड़ सर्दी, खांसी, जुकाम आदि को ठीक करने में सहायक है।

केले के लिए महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, आंध प्रदेश नहीं लगानी होगी दौड़

प्रदेश के किसानों को केले के लिए महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडू आदि राज्यों पर निर्भर नहीं रहना होगा। वैज्ञानिकों ने बताया कि महाराष्ट्र से केले की जी-9 नामक किस्म लाकर फार्म में लगाया था, जिसका ट्रायल सफल रहा है। किसान एक एकड़ में 250 क्विंटल पैदावार ले सकते हैं।

पपीते की रेड लेडी किस्म भी बढ़ाएगी किसानों की आमदनी

एचएयू के डॉ. किशोर ने बताया कि उन्होंने सिरसा से लाकर पपीते की रेड लेडी किस्म को फार्म में ट्रायल के तौर पर लगाया था। जिसका रिजल्ट भी अच्छा रहा है। एक पपीता का वजन तीन किलो तक है। एक पेड़ पर 50 से लेकर 60 किलो तक पपीता आ रहे हैं। किस्म की रोग प्रतिरोधक क्षमता भी अधिक है।

अब एक साथ कई काम करेगा ट्रैक्टर चीता, सोलर से होगा चार्ज

किसान मेले में चीता नाम के ट्रैक्टर की भी प्रदर्शनी लगाई गई। डा. आमोद ने बताया कि उन्होंने किसानों की आमदनी बढ़ाने के उद्देश्य से विशेष प्रकार का ट्रैक्टर तैयार कराया है, जिसे चीता नाम दिया गया है। यह एक बार सोलर से चार्ज होने के बाद 4 घंटे तक चलेगा। इससे खेत में कीटनाशक का छिड़काव करने से लेकर जुताई, बिजाई और जेसीबी की तरह मिट्टी उठाने का काम कर सकते हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	15-9-22	2	1-8

कृषि मेला : किसानों ने डेढ़ करोड़ रुपये के बीज और पौधे खरीदे

खेती की नई विधियों, मशीनों को देखने उमड़े किसान, अगले महीने से होगा प्रशिक्षण

स्टॉलों को किया गया पुरस्कृत

गेहूं की नई अगेती किस्म डब्ल्यूएच 1270 से बढ़ेगा उत्पादन

डॉ. पवन कुमार

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	15.9.22	4	1-6

किसानों ने प्रदर्शनी में 1.50 करोड़ के खरीदे बीज व पौधे

पौधों की नई उन्नत किस्में खरीदीं, पशुओं को लंपी बीमारी से बचाव की ली जानकारी

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित कृषि मेले में उमड़ी किसानों की भीड़ । जागरण

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) में आयोजित दो दिवसीय रबी कृषि मेला का बुधवार को समापन हो गया। इस मेले में हरियाणा के अलावा पंजाब, राजस्थान व उत्तर प्रदेश राज्यों से आए करीब एक लाख 31 हजार किसानों ने भाग लिया। किसानों ने करीब एक करोड़ 50 लाख के रबी फसलों व सब्जियों की उन्नत व विश्वविद्यालय किस्मों के प्रमाणित बीज और फलदार पौधों की खरीदी। [illegible]

[illegible]

बाजरे की देसी किस्म की सिड्डी बनी मिसाल

[illegible]

इनको मिले इनाम

[illegible]

गेहूं की नई किस्म । जागरण

ज्यादा टिंडे वाली नरमा की नई किस्म

[illegible]

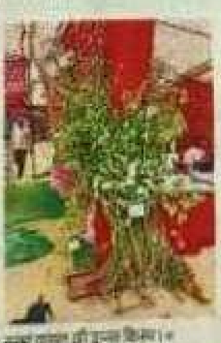

नरमा कपास की उन्नत किस्म । ज

ई-मौसम विभाग के पास किसानों ने करवाया पंजीकरण

[illegible]

नरमा की तीन साल से मार झेलने के बाद खेती से मुह मोड़ रहे किसान

[illegible]

जागरण । जागरण

एलोवेरा की खेती है सस्ती

[illegible]

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	14-3-22	4	1-5

नई तकनीक के साथ किया कदमताल और बन गए प्रगतिशील किसान

छिड़काव से सिंचाई करने पर पानी, समय और पैसों की होगी बचत

ड्रेनेज सिस्टम को दुरुस्त रखें

लंपी बीमारी पर नियंत्रण पाने का कर रहे प्रयास : डॉ. विनोद

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	15.9.22	5	4-8

हकृवि का कृषि मेला सम्पन्न, 1 लाख 31 हजार किसान हुए शामिल

हिसार, 14 सितम्बर (विरेंद्र वर्मा) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय रबी कृषि मेला आज संपन्न हुआ। मेले के आज दूसरे दिन भी किसानों की भारी गहमा-गहमी रही। मेले में दोनों दिन हरियाणा के अलावा पंजाब, राजस्थान तथा उत्तर प्रदेश राज्यों से करीब 1 लाख 31 हजार किसान शामिल हुए। किसानों ने करीब 1 करोड़ 50 लाख रूपए के रबी फसलों व सब्जियों की उन्नत व सिफारिशशुदा किस्मों के प्रमाणित बीज तथा फलदार पौधों की नर्सरी खरीदी। विश्वविद्यालय के इतिहास में यह पहली बार है कि इतनी भारी संख्या में किसानों ने कृषि मेला में भाग लिया है।

मेले के समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा मुख्य अतिथि थे। उन्होंने किसानों को इस प्रकार के आयोजनों में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा इससे उन्हें खेती संबंधी नवीन ज्ञान प्राप्त होगा तथा कृषि संबंधी अपनी समस्याओं का कृषि वैज्ञानिकों से हल प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। उन्होंने किसानों से कृषि में सिंचाई जल के प्रबंधन और पराली व फसल अवशेषों को जलाने की अपेक्षा उनका यथास्थान मशीनीकृत प्रबंधन करने की अपील की। उल्लेखनीय है कि किसानों को आगामी रबी मौसम की फसलों व सब्जियों के बीज तथा फलों की नर्सरी उपलब्ध करवाने के लिए विश्वविद्यालय ने मेला स्थल पर सरकारी बीज एजेंसियों के सहयोग से बीज बिक्री की पर्याप्त व्यवस्था की थी। बीज के अलावा किसानों ने 68 हजार रूपए का कृषि साहित्य भी खरीदा।

कृषि मेला में उपस्थित किसान।

डॉ. शर्मा ने बताया कि मेले में किसानों को विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्म का भ्रमण करवाकर उन्हें वैज्ञानिक विधि से उगाई गई फसलों के प्रदर्शन प्लॉट दिखाए गए तथा उन्हें जैविक खेती, खेती में जल व प्राकृतिक संसाधन संरक्षण, कृषि उत्पादन व गुणवत्ता बढ़ाने संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां दी गई। इस अवसर पर किसानों ने विश्वविद्यालय की ओर से मिट्टी व पानी जांच के लिए की गई व्यवस्था का भी लाभ उठाया। सह निदेशक विस्तार एवं मेला अधिकारी डॉ. कृष्ण कुमार यादव ने बताया कि मेले में किसानों के आकर्षण का विशेष केन्द्र रही कृषि-औद्योगिक प्रदर्शनी में करीब 270 स्टॉल लगाए गए थे। इन स्टॉलों पर विश्वविद्यालय तथा गैरसरकारी एजेंसियों व मल्टीनैशनल कंपनियों द्वारा कृषि प्रौद्योगिकी, मशीनें, यन्त्र आदि प्रदर्शित किए गए थे, जिन पर किसानों की भारी भीड़ रही। इन स्टॉलों में सीड ग्रुप में शक्तिवर्धक हाईब्रिड, गुडविल हाइब्रिड व समय सीड्स तथा सुपर सीड्स ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय पुरस्कार, इन्सैक्टिसाइडस/पैस्टीसाइडस व फार्मा में सिनजेंटा, क्रिस्टल/यूपीएल तथा जय हिन्द वेट फार्मा, फटिलाइज़र ग्रुप में इफ्को, कृभको तथा यारा और मशीनरी/ट्रैक्टर ग्रुप में सुकून, ओम एग्रीइम्पलिमेंटस तथा चरवाला एग्रो सैंटर ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय पुरस्कार प्राप्त किए। इसी प्रकार सरकारी संस्थानों में से हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के जैनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग विभाग, लुवास तथा एमएचयू करनाल को क्रमशः प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। प्रगतिशील किसान ग्रुप में कम्बोज बी फार्म, फैमिली किसान नेचुरल फार्मिंग तथा ग्रीन इंडिया बायोटैक एवं मिले-जुले ग्रुप में इएलपी-एचएयू, मिकाडा तथा फॉलकन गार्डन टूल्ज/एम.डी. बायो को क्रमशः प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय पुरस्कार प्रदान किए गए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	15.9.22	2	1-5

हरियाणा में होगी केले की खेती, टिश्यू कल्चर से पौधे तैयार

फरवरी में रोपाई करें, नवंबर में कटेगी फसल, एचएयू में 5 रुपये में ले सकते हैं पौधा

उदयभान त्रिपाठी

हिसार। हरियाणा में केले की खेती कम ही होती है, लेकिन एचएयू के वैज्ञानिकों ने केले के लिए यहां की जलवायु को उपयुक्त पाया है। नमी युक्त मिट्टी और 15 से 35 डिग्री तापमान में केले के पौधे न केवल तेजी से बढ़ते हैं, बल्कि उनके फल भी अधिक पौष्टिक होते हैं।

एचएयू के जैविक फार्म में इसका प्रयोग सफल रहा है। यहां टिश्यू कल्चर विधि से पौधे भी तैयार होने लगे हैं। केले की खेती के लिए विश्वविद्यालय से पांच रुपये में अच्छी क्वालिटी के पौधे प्राप्त कर सकते हैं। कृषि मेले में एचएयू के प्रो. सुरेश ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि केले की सबसे अच्छी खेती यूपी, बिहार, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु में होती है।

जाड़े वाली प्रजाति पर कर रहे शोध : डॉ. सुरेश ने बताया कि अभी जो प्रजाति अपने यहां के लिए अनुकूल है उसकी रोपाई फरवरी में की जाती है। यह केला नवंबर में तैयार हो जाएगा। अब नया शोध जाड़े में रोपाई के लिए उपयुक्त प्रजाति पर चल रहा है।

बैंगन के पौधे पर टमाटर तो हरी के साथ लगेगी शिमला मिर्च

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की पौधशाला में ऐसे पौधे तैयार हो रहे हैं, जिससे एक ही गमले में कई प्रकार की सब्जियां मिल सकें। कृषि मेले में बैंगन के पौधे पर टमाटर और हरी मिर्च के पौधे पर शिमला मिर्च लगाने वाले पौधे खूब बिके। इन पौधों को ग्राफ्टिंग विधि से तैयार किया जा रहा है। एक ही पौधे में दो या अधिक तरह की सब्जी या फल-फूल उगाने की तकनीक ग्राफ्टिंग विधि कहलाती है। इसे सामान्य भाषा में कलम बांधना भी कहा जाता है। वैज्ञानिकों के अनुसार किसानों को इससे से फायदा होगा। ब्यूरो

गेहूं की ज्यादा उपज देने वाली किस्म ईजाद

हिसार। गेहूं उत्पादक किसानों के लिए इस बार का कृषि मेला खास रहा। प्रदर्शनी में एचएयू की प्रजाति डब्ल्यूएच 1270 को भी बिक्री के लिए रखा गया था, जिसका औसत उत्पादन 80 क्विंटल प्रति हेक्टेयर रखा गया है। गेहूं की यह नई प्रजाति हिसार में अब तक की सबसे अधिक उपज देने वाली प्रजाति भी है। हालांकि, इसकी लंबाई सामान्य पौधों से अधिक होती है, जिससे इसके गिरने का डर रहता है। इस पर नियंत्रण के लिए विश्वविद्यालय ने दो केमिकल भी बनाया है, जिसके प्रयोग से न केवल फसल की अनियंत्रित वृद्धि रुकेगी, बल्कि उत्पादन में भी वृद्धि होगी। ब्यूरो

कृषि मेले में किसानों ने 270 स्टालों से की खरीद

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) में आयोजित दो दिवसीय कृषि (रबी) मेला बुधवार की शाम को संपन्न हुआ। इन दो दिन में करीब एक लाख 31 हजार किसानों ने यहां लगे 270 स्टालों पर पहुंचकर प्रमाणित बीज, उन्नतशील बिजाई विधियों व अत्याधुनिक उपकरणों के बारे में जानकारी ली। किसानों ने करीब एक करोड़ 50 लाख रुपये के बीज व नर्सरी के पौधे खरीदे। संवाद

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	15.9.22	2	3-5

हकृवि का कृषि मेला संपन्न, 1.31 लाख किसान हुए शामिल

हिसार, 14 सितम्बर (राठी): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित 2 दिवसीय रबी कृषि मेला आज संपन्न हुआ। मेले के आज दूसरे दिन भी हजारों किसान पहुंचे। मेले में दोनों दिन हरियाणा के अलावा पंजाब, राजस्थान तथा उत्तर प्रदेश राज्यों से करीब 1 लाख 31 हजार किसान शामिल हुए। किसानों ने करीब 1 करोड़ 50 लाख रुपए के रबी फसलों व सब्जियों की उन्नत व सिफारिशशुदा किस्मों के प्रमाणित बीज तथा फलदार पौधों की नर्सरी खरीदी। विवि. के अनुसार यह पहली बार है कि इतनी भारी संख्या में किसानों ने कृषि मेला में भाग लिया है। हालांकि कुछ किसानों ने मेले के दौरान बीज खरीदने को लेकर आई दिक्कतों का जिक्र भी किया।

कृषि मेले में सुंदर व व्यवस्थित स्टॉल का पुरस्कार देते मुख्यातिथि डॉ. जीत राम शर्मा

ड्रोन से लिया गया मेले का चित्र।

मेले के समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा मुख्य अतिथि थे। उन्होंने किसानों को इस प्रकार के आयोजनों में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा इससे उन्हें खेती संबंधी नवीन ज्ञान प्राप्त होगा तथा कृषि संबंधी अपनी समस्याओं का कृषि वैज्ञानिकों से हल प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। उन्होंने किसानों से कृषि में सिंचाई जल के प्रबंधन और पराली व फसल अवशेषों को जलाने की अपेक्षा उनका यथास्थान मशीनीकृत प्रबंधन करने की अपील की।

डॉ. शर्मा ने बताया कि मेले में किसानों को विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्म का भ्रमण करवाकर उन्हें वैज्ञानिक विधि से उगाई गई फसलों के प्रदर्शन प्लॉट दिखाए गए तथा उन्हें जैविक खेती, खेती में जल व प्राकृतिक संसाधन संरक्षण, कृषि उत्पादन व गुणवत्ता बढ़ाने संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां दी गई। इस अवसर पर किसानों ने विश्वविद्यालय की ओर से मिट्टी व पानी जांच के लिए की गई व्यवस्था का भी लाभ उठाया। इनके अतिरिक्त किसानों ने प्रश्नोत्तरी सभाओं में भाग लेकर वैज्ञानिकों से कृषि व पशुपालन संबंधी अपनी समस्याओं एवं शंकाओं को दूर किया।

सह निदेशक विस्तार एवं मेला अधिकारी डॉ. कृष्ण कुमार यादव ने बताया कि मेले में किसानों के आकर्षण का विशेष केन्द्र रही कृषि–औद्योगिक प्रदर्शनी में करीब 270 स्टॉल लगाए गए थे। इन स्टॉलों पर विश्वविद्यालय तथा गैरसरकारी एजेंसियों व मल्टीनेशनल कंपनियों द्वारा कृषि प्रौद्योगिकी, मशीनें, यन्त्र आदि प्रदर्शित किए गए थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	15-9-22	1	1-4

गुड न्यूज • एचएयू ने महाराष्ट्र और गुजरात से लाकर मीठा नींबू की किस्म उगाने में पाई सफलता

अब खट्टे नहीं, मीठे नींबू का भी स्वाद चख सकेंगे लोग, जो शरीर की इम्युनिटी बढ़ाने में सहायक

महबूब अली | हिसार

नींबू का नाम आते ही खट्टा स्वाद दिमाग में घूमने लगता है। मगर हम आपको एक ऐसे नींबू की किस्म के बारे में बताने जा रहे हैं, जो स्वाद में खट्टा नहीं, बल्कि मीठा लगेगा। जी हां, एचएयू के वैज्ञानिकों ने कुछ समय पहले ही महाराष्ट्र और गुजरात से लाकर मीठा नींबू की पौध को ट्रायल के तौर पर एचएयू प्रांगण में लगाया था। जिसका ट्रायल सफल रहा है।

बुधवार को एचएयू में आयोजित किसान मेले में उक्त मीठे नींबू की प्रदर्शनी लगाई गई। एचएयू वैज्ञानिकों के अनुसार, मीठे नींबू की खासियत यह है कि यह शरीर की इम्युनिटी बढ़ाता है। इसमें विटामिन सी भी होता है।

एचएयू के उद्यान विभाग के डॉ. राजपाल दलाल का कहना है कि नींबू के बारे में किसान जानकारी लेने पहुंच रहे हैं। इसके अलावा एचएयू ने कुछ समय पहले ही अमेरिका से ग्रे फ्रूट की स्टार रूबी नामक किस्म को फार्म में लगाया था। इसका ट्रायल भी सफल रहा है। यह खाने में थोड़ा कड़वा है मगर शुगर के मरीजों के लिए लाभदायक होता है। इसका वजन आमतौर पर 300 ग्राम तक होता है। इसके अंदर एक भी बीज नहीं निकलता। जिसके कारण इसे छीलने के बाद सीधे खाया जा सकता है।

अंदर से गहरे लाल रंग का होता है। वैज्ञानिकों का कहना है कि जल्द व्यापक स्तर पर ग्रे फ्रूट की बुवाई कर किसानों के बीच तक पहुंचाया जाएगा ताकि वह लाभ उठा सकें। इसकी पैदावार कर आमदनी को बढ़ा सकें। यह 70 किलो प्रति एकड़ तक प्राप्त किया जा सकता है। इन दोनों पौधों को घर के गार्डन में भी लगाया जा सकता है।

इधर, एचएयू के मेले में स्टॉल पर ग्रे फ्रूट भी रखा गया।

"एचएयू फलों से लेकर सब्जियों की कई किस्मों पर काम कर रहा है। कई नई वैरायटी भी डिवेलप की है। जल्द कई किसानों के सामने होंगी। विवि का प्रयास है कि किसानों की आमदनी को बढ़ाया जाए। इसके लिए उन्हें निःशुल्क प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है।" **प्रोफेसर बीआर काम्बोज**, कुलपति, एचएयू, हिसार।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	15.9.22	4	3-4

रबी मेला संपन्न, हकृवि ने बेचे डेढ़ करोड़ के बीज

हिसार, 14 सितंबर (निस)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित रबी कृषि मेला बुधवार को संपन्न हो गया। इसमें हरियाणा, पंजाब, राजस्थान तथा उत्तर प्रदेश के किसान पहुंचे। दो दिन में विश्वविद्यालय ने किसानों को लगभग डेढ़ करोड़ के बीज बेचे। अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम ने कहा कि ऐसे मेलों में हिस्सा लेने से किसानों को खेती संबंधी नया ज्ञान मिलेगा तथा कृषि संबंधी समस्याओं का कृषि वैज्ञानिकों से हल प्राप्त करने का अवसर मिलता है। उन्होंने किसानों से कृषि में सिंचाई जल के प्रबंधन और पराली व फसल अवशेषों को जलाने की अपेक्षा उनका यथास्थान मशीनीकृत प्रबंधन करने की अपील की।

डॉ. शर्मा ने बताया कि मेले में किसानों को वैज्ञानिक विधि से उगाई गई फसलों के प्रदर्शन प्लॉट दिखाए गए तथा अन्य जानकारियां दी गईं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	15.9.22	5	7.8

एचएयू में नॉर्थ इंडिया की पहली ग्राफ्टिंग यूनिट तैयार, किसानों को मिलेगी सब्जी उत्पादन की ट्रेनिंग

भास्कर न्यूज़ | हिसार

प्रदेश के किसानो के लिए एक और खुशखबरी है। एचएयू में नॉर्थ इंडिया की पहली ग्राफ्टिंग यूनिट बनकर तैयार हो गई है। विवि में ही प्रदेश के किसानों को सब्जी उत्पादन ग्राफ्टिंग तकनीक से सिखाया जाएगा। करीब डेढ़ करोड़ की लागत से इसे तैयार किया गया है। एचएयू के सब्जी उत्पादन विभाग के एचओडी डॉ. टीपी मलिक ने बताया कि यूनिट के अंदर ही सब्जियों को लेकर विभिन्न प्रकार की रिसर्च भी की जा सकेगी। किसानों को निशुल्क ग्राफ्टिंग विधि से सब्जी उत्पादन की जानकारी भी दी जाएगी। ट्रेनिंग का शेड्यूल भी 7 दिन तक रहेगा। टीपी मलिक के अनुसार ग्राफ्टिंग तकनीक दो पौधों के हिस्सों को एक साथ जोड़ने की कला है। इस तकनीक से एक पौधे में बैंगन, टमाटर को पैदा किया जा सकता है। इसमें बैंगन, मिर्च, शिमला मिर्च जैसे सोलेनेशियम वर्गीय सब्जियां की भी ग्राफ्टिंग की जा सकती है। इस विधि का चयन फसल पर निर्भर करता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	15.9.22	4	7-8

जैव विविधता संरक्षण विषय पर लगाई प्रदर्शनी

कृषि मेले में जैव विविधता को बचाने का संदेश। विज्ञप्ति

हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित कृषि मेले में हरियाणा राज्य जैव विविधता बोर्ड पंचकूला ने छात्रों, किसानों और आम जनता को एचएसबीबी के कामकाज और जैव विविधता प्रबंधन समितियों की भूमिकाओं और जिम्मेदारियों के बारे में जागरूक करने के लिए जैव विविधता संरक्षण के विषय पर एक प्रदर्शनी लगाई। इस दौरान लगभग 1500 छात्रों व किसानों व प्रतिष्ठित विशेषज्ञों ने बोर्ड प्रदर्शनी का दौरा किया। कार्यक्रम में डा. समुंदर सिंह, डा. एसएस यादव, डा. धर्मवीर मलिक, डा. रविकांत,डा. कनिष्ठ बत्रा, डा. महावीर बिश्नोई, डा. अजय जागड़ा, डा. कुलदीप, पवन पूनिया आदि ने प्रदर्शनी का दौरा किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	14.09.2022	--	--

हकृवि द्वारा विकसित गेहूं की डब्लयू एच-1270 की सबसे ज्यादा मांग

हिसार (नभ-छोर न्यूज)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में चल रहे कृषि मेले का आज दूसरा दिन है। मेले में आए किसानों में उन्नत किस्म के बीजों की मांग बढ़ती जा रही है। मेले में पंजाब, हरियाणा और राजस्थान के किसान पहुंच रहे हैं। किसानों में अबकी बार गेहूं की डब्लयू एच- 1270 की सबसे ज्यादा डिमांड है। सीड प्रोडेक्शन विभाग के साइंटिस्ट डॉ. अक्षय भूकर ने बताया कि पहली बार विश्वविद्यालय इसका बीज बेच रहा है। इस गेहूं के बीज का प्रति एकड़ उत्पादन 70 मन है। उन्होंने बताया कि मेले में एचएयू की स्टॉल पर सरसों का बीज 90 रुपये प्रति किलो मिल रहा है। परंतु प्राइवेट स्टॉल वाले यही बीज 900 रुपये किलो दे रहे हैं। एचएयू का मटर का बीज एचएफपी 1428 भी पहली बार एचएयू ने किसानों को उपलब्ध करवाया है।

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
न्यूज टाइम्स	14.09.2022	--	--

सवा लाख से ज्यादा धरतीपुत्रों ने कृषि मेला देख खरीदे एक करोड़ 50 लाख के बीज

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय रबी कृषि मेला का समापन

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय रबी कृषि मेला आज संपन्न हुआ। [illegible]

[illegible]

कृषि मेला में सुंदर व व्यवस्थित स्टॉल का पुरस्कार देकर किया सम्मानित

[illegible]

68 हजार का खरीदा कृषि साहित्य

[illegible]

कृषि मेले में लगी करीब 270 स्टालें

[illegible]

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा	14.09.2022	--	--

हकृवि का कृषि मेला संपन्न, 1 लाख 31 हजार किसान हुए शामिल

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय रबी कृषि मेला आज संपन्न हुआ। मेले के आज दूसरे दिन भी किसानों की भारी गहमा-गहमी रही। मेले में दोनों दिन हरियाणा के अलावा पंजाब, राजस्थान तथा उत्तर प्रदेश राज्यों से करीब 1 लाख 31 हजार किसान शामिल हुए। किसानों ने करीब 1 करोड़ 50 लाख रूपए के रबी फसलों व सब्जियों की उन्नत व सिफारिशशुदा किस्मों के प्रमाणित बीज तथा फलदार पौधों की नर्सरी खरीदी। विश्वविद्यालय के इतिहास में यह पहली बार है कि इतनी भारी संख्या में किसानों ने कृषि मेला में भाग लिया है। मेले के समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा मुख्य अतिथि थे। उन्होंने कहा इससे उन्हें खेती संबंधी नवीन ज्ञान प्राप्त होगा तथा कृषि संबंधी अपनी समस्याओं का कृषि वैज्ञानिकों से हल प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। उन्होंने किसानों से कृषि में सिंचाई जल के प्रबंधन और पराली व फसल अवशेषों को जलाने की अपेक्षा उनका यथास्थान मशीनीकृत प्रबंधन करने की अपील की। उल्लेखनीय है कि किसानों को आगामी रबी मौसम की फसलों व सब्जियों के बीज तथा फलों की नर्सरी उपलब्ध करवाने के लिए, विश्वविद्यालय ने मेला स्थल पर सरकारी बीज एजेंसियों के सहयोग से बीज बिक्री की पर्याप्त व्यवस्था की थी। बीज के अलावा किसानों ने 68 हजार रूपए का कृषि साहित्य भी खरीदा। डॉ. शर्मा ने बताया कि मेले में किसानों को विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्म का भ्रमण करवाकर उन्हें वैज्ञानिक विधि से उगाई गई फसलों के प्रदर्शन प्लॉट दिखाए गए तथा उन्हें जैविक खेती, खेती में जल व प्राकृतिक संसाधन संरक्षण, कृषि उत्पादन व गुणवत्ता बढ़ाने संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां दी गई। इस अवसर पर किसानों ने विश्वविद्यालय की ओर से मिट्टी व पानी जांच के लिए की गई व्यवस्था का भी लाभ उठाया। इसके अतिरिक्त किसानों ने प्रश्नोत्तरी सभाओं में भाग लेकर समस्याओं एवं शंकाओं को दूर किया तथा उनके लिए आयोजित हरयाणवी सांस्कृतिक कार्यक्रम में मनोरंजन किया। सह निदेशक विस्तार एवं मेला अधिकारी डॉ. कृष्ण कुमार यादव ने बताया कि मेले में किसानों के आकर्षण का विशेष केन्द्र रही कृषि-औद्योगिक प्रदर्शनी में करीब 270 स्टॉल लगाए गए थे। विश्वविद्यालय तथा गैरसरकारी एजेंसियों व मल्टीनैशनल कंपनियों द्वारा कृषि प्रौद्योगिकी, मशीनें, यंत्र आदि प्रदर्शित किए गए थे, जिन पर किसानों की भारी भीड़ रही। इन स्टॉलों में सीड ग्रुप में शक्तिवर्धक हाईब्रिड, गुड़विल हाईब्रिड व समय सीड्स तथा सुपर सीड्स ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय तथा

तृतीय पुरस्कार, इनसेक्टिसाइड्स/पैस्टीसाइड्स व फार्मा में सिनजेंटा, क्रिस्टल/यूपीएल तथा जय हिन्द केट फार्मा, फर्टिलाइजर ग्रुप में इफको, कृभको तथा यारा और मशीनरी/ट्रैक्टर ग्रुप में सुकून, ओम एग्रीइम्प्लीमेंट्स तथा करनाल एग्रो सैंटर ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय पुरस्कार प्राप्त किए। इसी प्रकार सरकारी संस्थानों में से हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के जैनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग विभाग, सुवास तथा एमएचयू करनाल को क्रमशः प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। प्रगतिशील किसान ग्रुप में कम्बोज बी फार्म, कैथिली किसान नेचुरल फार्मिंग तथा ग्रीन इण्डिया आर्गेनिक एवं मिले-जुले ग्रुप में इफ्लपी-एमएसयू, निकाड़ा तथा फाल्कन गार्डन टूल्स/एम.डी. आयो को क्रमशः पुरस्कार प्रदान किए गए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	14.09.2022	--	--

सांध्य दैनिक
सिटीपल्स हिसार
कुल पृष्ठ - 4 | मूल्य - 2.00 | वर्ष-8, अंक- 41
हिसार, बुधवार, 14 सितंबर, 2022 | आश्विन कृष्ण पक्ष चतुर्थी, विक्रमी संवत 2079
ई-पेपर www.citypulse.news

कृपया अपनी प्रेस विज्ञप्ति सिटीपल्स हिसार की मेल आईडी cphisar99@gmail.com पर प्रेषित करें
- प्रबंधक

एचएयू का कृषि मेला संपन्न, 1 लाख 31 हजार किसान हुए शामिल

कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित कृषि मेले में उमड़े किसान।

किसानों को वैज्ञानिक विधि से उगाई फसलों के प्लॉट दिखाए

मेले में करीब 270 स्टॉल लगाए गए

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हैलो हिसार	15.09.2022	--	--

हकृवि का कृषि मेला संपन्न, 1 लाख 31 हजार किसान हुए शामिल

हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय रबी कृषि मेला आज संपन्न हुआ। मेले के आज दूसरे दिन भी किसानों की भारी गहमा-गहमी रही। मेले में दोनों दिन हरियाणा के अलावा पंजाब, राजस्थान तथा उत्तर प्रदेश राज्यों से करीब 1 लाख 31 हजार

करने की अपील की।

उल्लेखनीय है कि किसानों को आगामी रबी मौसम की फसलों व सब्जियों के बीज तथा फलों की नर्सरी उपलब्ध करवाने के लिए विश्वविद्यालय ने मेला स्थल पर सरकारी बीज एजेंसियों के सहयोग से बीज बिक्री की पर्याप्त व्यवस्था की थी।

महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं। इस अवसर पर किसानों ने विश्वविद्यालय की ओर से मिट्टी व पानी जांच के लिए की गई व्यवस्था का भी लाभ उठाया। इनके अतिरिक्त किसानों ने प्रश्नोत्तरी सभाओं में भाग लेकर वैज्ञानिकों से कृषि व पशुपालन संबंधी अपनी समस्याओं एवं शंकाओं को दूर किया तथा उनके लिए आयोजित हरयाणवी सांस्कृतिक कार्यक्रम में मनोरंजन किया।

सह निदेशक विस्तार एवं मेला अधिकारी डॉ. कृष्ण कुमार यादव ने बताया कि मेले में किसानों के आकर्षण का विशेष केन्द्र रही कृषि-औद्योगिक

किसानों ने 1 करोड़ 50 लाख रूपए के खरीदे रबी फसलों के बीज

इन्सेक्टिसाइड्स/पेस्टीसाइड्स व फार्मा में सिनजेंटा, क्रिस्टल/यूपीएल तथा जय हिन्द वेट फार्मा, फर्टिलाइजर ग्रुप में इफको, कृभको तथा यारा और मशीनरी/ट्रैक्टर ग्रुप में सुहान, ओम एग्रोइम्प्लीमेंटस तथा बरवाला एग्रो सैंटर ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय पुरस्कार प्राप्त किए। इसी प्रकार सरकारी संस्थानों में से हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के जैनेटिक्स एंड

किसान शामिल हुए। किसानों ने करीब 1 करोड़ 50 लाख रूपए के रबी फसलों व सब्जियों की उन्नत व सिफारिशशुदा किस्मों के प्रमाणित बीज तथा फलदार पौधों की नर्सरी खरीदी। विश्वविद्यालय के इतिहास में यह पहली बार है कि इतनी भारी संख्या में किसानों ने कृषि मेला में भाग लिया है।

मेले के समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा मुख्य अतिथि थे। उन्होंने किसानों को इस प्रकार के आयोजनों में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा इससे उन्हें खेती संबंधी नवीन ज्ञान प्राप्त होगा तथा कृषि संबंधी अपनी समस्याओं का कृषि वैज्ञानिकों से हल प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। उन्होंने किसानों से कृषि में सिंचाई जल के प्रबंधन और पराली व फसल अवशेषों को जलाने की अपेक्षा उनका

बीज के अलावा किसानों ने 68 हजार रूपए का कृषि साहित्य भी खरीदा।

डॉ. शर्मा ने बताया कि मेले में किसानों को विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्म का भ्रमण करवाकर उन्हें वैज्ञानिक विधि से उगाई गई फसलों के प्रदर्शन प्लॉट दिखाए गए तथा उन्हें जैविक खेती, खेती में जल व प्राकृतिक संसाधन संरक्षण, कृषि

प्रदर्शनी में करीब 270 स्टॉल लगाए गए थे। इन स्टॉलों पर विश्वविद्यालय तथा गैरसरकारी एजेंसियों व मल्टीनेशनल कंपनियों द्वारा कृषि प्रौद्योगिकी, मशीनें, यन्त्र आदि प्रदर्शित किए गए थे, जिन पर किसानों की भारी भीड़ रही। इन स्टॉलों में सीड ग्रुप में शक्तिवर्धक हाईब्रिड, गुडविल हाइब्रिड व समय सीड्स तथा सुपर सीड्स ने क्रमशः प्रथम,

प्लांट ब्रीडिंग विभाग, सुवास तथा एमएचयू करनाल को क्रमशः प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। प्रगतिशील किसान ग्रुप में कम्बोज बी फार्म, फैमिली किसान नेचुरल फार्मिंग तथा ग्रीन इण्डिया बायोटिक एवं मिले-जुले ग्रुप में इएलसी-एचएयू, मिकाडा तथा फ्लोरकल्चर गार्डन टूल्स/एम.डी. बागी को क्रमशः प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिन्दुस्थान समाचार	14.09.2022	--	--

हिसार : एचएयू मेले से किसानों ने खरीदे डेढ़ करोड़ के रबी फसलों के बीज

14 Sep 2022 17:03:17

हकृवि का कृषि मेला संपन्न, एक लाख 31 हजार किसान हुए शामिल

हिसार, 14 सितम्बर (हि.स.)। यहां के हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय रबी कृषि मेले में किसानों ने लगभग डेढ़ करोड़ रुपये के रबी फसलों के बीज खरीदे। दो दिवसीय कृषि मेला बुधवार को संपन्न हो गया। मेले में दोनों दिन किसानों की भारी संख्या मौजूद रही। मेले के समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा मुख्य अतिथि थे।

मेले में दोनों हरियाणा के अलावा पंजाब, राजस्थान तथा उत्तर प्रदेश राज्यों से करीब एक लाख 31 हजार किसान शामिल हुए और किसानों ने करीब डेढ़ करोड़ के रबी फसलों व सब्जियों की उन्नत व सिफारिशशुदा किस्मों के प्रमाणित बीज तथा फलदार पौधों की नर्सरी खरीदी। विश्वविद्यालय के इतिहास में यह पहली बार है कि इतनी भारी संख्या में किसानों ने कृषि मेले में भाग लिया है। डॉ. जीतराम शर्मा ने किसानों को इस प्रकार के आयोजनों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा इससे उन्हें खेती संबंधी नवीन ज्ञान प्राप्त होगा तथा कृषि संबंधी अपनी समस्याओं का कृषि वैज्ञानिकों से हल प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। उन्होंने किसानों से कृषि में सिंचाई जल के प्रबंधन और फसलों व फसल अवशेषों को जलाने की अपेक्षा उनका यथास्थान तकनीकीकृत प्रबंधन करने की अपील की।

उल्लेखनीय है कि किसानों को आगामी रबी मौसम की फसलों व सब्जियों के बीज तथा फलों की नर्सरी उपलब्ध करवाने के लिए विश्वविद्यालय ने मेला स्थल पर सरकारी बीज एजेंसियों के सहयोग से बीज बिक्री की पर्याप्त व्यवस्था की थी। बीज के अलावा किसानों ने 68 हजार रुपये का कृषि साहित्य भी खरीदा। डॉ. शर्मा ने बताया कि मेले में किसानों को विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्म का भ्रमण करवाकर उन्हें वैज्ञानिक विधि से उगाई गई फसलों के प्रदर्शन प्लॉट दिखाए गए तथा उन्हें जैविक खेती, खेती में जल व प्राकृतिक संसाधन संरक्षण, कृषि उत्पादन व गुणवत्ता बढ़ाने संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां दी गई।

सह निदेशक किसान एवं मेला अधिकारी डॉ. कृष्ण कुमार यादव ने बताया कि मेले में किसानों के आकर्षण का विशेष केन्द्र रही कृषि औद्योगिक प्रदर्शनी में करीब 270 स्टॉल लगाए गए थे। इन स्टॉलों पर विश्वविद्यालय तथा गैरसरकारी एजेंसियों व अन्तर्राष्ट्रीय कंपनियों द्वारा कृषि प्रौद्योगिकी, मशीनें, यंत्र आदि प्रदर्शित किए गए थे, जिन पर किसानों की भारी भीड़ रही।

हिन्दुस्थान समाचार/राजेश्वर/संजीव

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	15.9.22	7	1-2

हकृवि के गृह विज्ञान महाविद्यालय ने कविता पाठ व दोहा गायन प्रतियोगिताएं की आयोजित

हिसार, 14 सितम्बर (विरेंद्र वर्मा) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय में हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में कविता पाठ और दोहा गायन प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मंजु महता की देखरेख में महाविद्यालय के पारिवारिक संसाधन प्रबंधन विभाग द्वारा आयोजित किए गए इस प्रतियोगिता में 30 विद्यार्थियों ने भाग लिया। डॉ. मंजू महता ने कहा कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विश्व में हिन्दी के प्रचार प्रसार के लिए जागरूकता पैदा करना और हिन्दी को अंतर्राष्ट्रीय भाषा के रूप में पेश करना है। उन्होंने कहा भारत में हिन्दी दिवस मनाने की शुरूआत देश की आजादी के बाद हुई थी और पहली बार इसे 14 सितम्बर 1953 को मनाया गया।

कार्यक्रम की संयोजक डॉ. कविता दुआ ने बताया कि कविता गायन प्रतियोगिता में प्रथम वर्ष की छात्रा खुशबू व प्रथम वर्ष की ही छात्रा आंचल ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया जबकि दोहा गायन प्रतियोगिता में द्वितीय वर्ष की निकिता प्रथम रही व प्रथम वर्ष की छात्रा कंचन द्वितीय स्थान पर रही।

कार्यक्रम में प्रस्तुति देती हुई छात्रा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी, अमर उजाला	15.9.22	2, 4	7-8, 1

कार्यक्रम में प्रस्तुति देती छात्रा

हिसार, 14 सितम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय में हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में कविता पाठ और दोहा गायन प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मंजु महता की देखरेख में महाविद्यालय के पारिवारिक संसाधन प्रबंधन विभाग द्वारा आयोजित किए गए इस प्रतियोगिता में 30 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

डॉ. मंजु महता ने कहा कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विश्व में हिन्दी के प्रचार प्रसार के लिए जागरूकता पैदा करना और हिन्दी को अंतर्राष्ट्रीय भाषा के रूप में पेश करना है। उन्होंने कहा भारत में हिन्दी दिवस मनाने की शुरुआत देश की आजादी के बाद हुई थी और पहली बार इसे 14 सितम्बर 1953 को मनाया गया।

कार्यक्रम की संयोजक डॉ. कविता दुआ ने बताया कि कविता गायन प्रतियोगिता में प्रथम वर्ष की छात्रा खुशबू व प्रथम वर्ष की ही छात्रा आंचल ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया जबकि दोहा गायन प्रतियोगिता में द्वितीय वर्ष की निकिता प्रथम रही व प्रथम वर्ष की छात्रा कंचन द्वितीय स्थान पर रही।

दोहा गायन में निकिता प्रथम

हिसार। एचएयू के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय में हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में अधिष्ठाता डॉ. मंजु महता की देखरेख में कविता पाठ और दोहा गायन प्रतियोगिता हुई। डॉ. कविता दुआ ने बताया कि कविता गायन में छात्रा खुशबू प्रथम, छात्रा आंचल द्वितीय, दोहा गायन में निकिता प्रथम, छात्रा कंचन द्वितीय रही। संवाद

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	15.9.22	2	5

कविता गायन प्रतियोगिता में खुशबू ने बाजी मारी

हिसार| चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय में हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में कविता पाठ और दोहा गायन प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मंजू महता की देखरेख में प्रतियोगिता में 30 विद्यार्थियों ने भाग लिया। डॉ. मंजू महता ने कहा कि हिन्दी को अंतर्राष्ट्रीय भाषा के रूप में पेश करना है।

उन्होंने कहा भारत में हिन्दी दिवस मनाने की शुरूआत देश की आजादी के बाद हुई थी और पहली बार इसे 14 सितम्बर 1953 को मनाया गया। कार्यक्रम की संयोजक डॉ. कविता दुआ ने बताया कि कविता गायन प्रतियोगिता में प्रथम वर्ष की छात्रा खुशबू व प्रथम वर्ष की ही छात्रा आंचल ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया, जबकि दोहा गायन प्रतियोगिता में द्वितीय वर्ष की निकिता प्रथम रही व प्रथम वर्ष की छात्रा कंचन द्वितीय स्थान पर रही।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि॰ भूमि	15.9.22	9	8

खुशबू की कविता को मिली सराहना

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय में हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में कविता पाठ और दोहा गायन प्रतियोगिताएं हुईं। गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मंजु महता की देखरेख में महाविद्यालय के पारिवारिक संसाधन प्रबंधन विभाग द्वारा आयोजित किए गए इस प्रतियोगिता में 30 विद्यार्थियों ने भाग लिया। डॉ. मंजू महता ने कहा कि भारत में हिन्दी दिवस मनाने की शुरुआत देश की आजादी के बाद हुई थीऔर पहली बार इसे 14 सितंबर 1953 कोमनाया गया। कार्यक्रम की संयोजक डॉ. कांता दुआ ने बताया कि कविता गायन प्रतियोगिता में प्रथम वर्ष की छात्रा खुशबू ने प्रथम व प्रथम वर्ष की ही छात्रा आंचल ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया जबकि दोहा गान प्रतियोगिता में द्वितीय वर्ष की निकिता प्रथम रही जबकि प्रथम वर्ष की छात्रा कंचन द्वितीय स्थान पर आई।

■ हकृवि के गृह विज्ञान महाविद्यालय ने कविता पाठ व दोहा गायन प्रतियोगिताएं का आयोजन

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
चिराग टाइम्स	14.09.2022	--	--

हकृवि में कविता पाठ व दोहा गायन प्रतियोगिताएं आयोजित

हिसार (चिराग टाइम्स न्यूज)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय में हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में कविता पाठ और दोहा गायन प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मंजु महता की देखरेख में महाविद्यालय के पारिवारिक संसाधन प्रबंधन विभाग द्वारा आयोजित किए गए इस प्रतियोगिता में 30 विद्यार्थियों ने भाग लिया। डॉ. मंजु महता ने कहा कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विश्व में हिन्दी के प्रचार प्रसार के लिए जागरूकता पैदा करना और हिन्दी को अंतर्राष्ट्रीय भाषा के रूप में पेश करना है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हांसी क्रांति	14.09.2022	--	--

हकृवि के गृह विज्ञान महाविद्यालय ने कविता पाठ व दोहा गायन प्रतियोगिताएं की आयोजित

हांसी क्रांति न्यूज

हिसार, : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय में हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में कविता पाठ और दोहा गायन प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मंजु महता की देखरेख में महाविद्यालय के पारिवारिक संसाधन प्रबंधन विभाग द्वारा आयोजित किए गए इस प्रतियोगिता में 30 विद्यार्थियों ने भाग लिया। डॉ. मंजु महता ने कहा कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विश्व में हिन्दी के प्रचार प्रसार के लिए जागरूकता पैदा करना और हिन्दी को अंतर्राष्ट्रीय भाषा के रूप में पेश करना है। उन्होंने कहा भारत में हिन्दी दिवस मनाने की शुरूआत देश की आजादी के बाद हुई थी और पहली बार इसे 14 सितम्बर 1953 को मनाया गया। कार्यक्रम की संयोजक डॉ. कविता दुआ ने बताया कि कविता गायन प्रतियोगिता में प्रथम वर्ष की छात्रा खुशबू व प्रथम वर्ष की ही छात्रा आंचल ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया जबकि दोहा गायन प्रतियोगिता में द्वितीय वर्ष की निकिता प्रथम रही व प्रथम वर्ष की छात्रा कंचन द्वितीय स्थान पर रही।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
आज समाज	15.09.2022	--	--

हकृवि के गृह विज्ञान महाविद्यालय ने कविता पाठ व दोहा गायन प्रतियोगिताएं की आयोजित

प्रवीन कुमार

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय में हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में कविता पाठ और दोहा गायन प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मंजु महता की देखरेख में महाविद्यालय के पारिवारिक संसाधन प्रबंधन विभाग द्वारा आयोजित किए गए इस प्रतियोगिता में 30 विद्यार्थियों ने भाग लिया। डॉ. मंजु महता ने कहा कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विश्व में हिन्दी के प्रचार प्रसार के लिए जागरूकता पैदा करना और हिन्दी को अंतर्राष्ट्रीय भाषा के रूप में पेश करना है। उन्होंने कहा भारत में हिन्दी दिवस मनाने की शुरूआत देश की आजादी के बाद हुई थी और पहली बार इसे 14 सितम्बर 1953 को मनाया गया।

कार्यक्रम की संयोजक डॉ. कविता दुआ ने बताया कि कविता गायन प्रतियोगिता में प्रथम वर्ष की छात्रा खुशबू व प्रथम वर्ष की ही छात्रा आंचल ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया जबकि दोहा गायन प्रतियोगिता में द्वितीय वर्ष की निकिता प्रथम रही व प्रथम वर्ष की छात्रा कंचन द्वितीय स्थान पर रही।

कार्यक्रम में प्रस्तुति देती हुई छात्रा।